डॉ. जॉन ओसवाल्ट , निर्गमन, सत्र 14, निर्गमन 32

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं जो निर्गमन की पुस्तक पर अपना शिक्षण दे रहे हैं। यह सत्र 14, निर्गमन 32 है।

ठीक है, आपमें से जो लोग कम सुनते हैं, उनके लिए हम अगले सोमवार को नहीं मिल रहे हैं।

और उस आखिरी सोमवार की रात को, हम कुछ ऐसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिन्हें हमने पिछले सप्ताह नहीं कवर किया था, जैसे कि तम्बू और पादरी पद इत्यादि। इसलिए, अगर हमने उन सभी सवालों पर चर्चा नहीं की, जो हमने नहीं की, तो हम उनमें से कुछ पर चर्चा करने की कोशिश करेंगे। जैसा कि मैंने इस खंड की शुरुआत में कहा था, हमारे पास इस तरह का एक दिलचस्प सैंडविच है।

हमारे पास अध्याय 25 से 31 हैं, जो तम्बू और पुरोहिताई के लिए निर्देश देते हैं, और फिर हमारे पास अध्याय 35 से 40 हैं, जो तम्बू के निर्माण पर रिपोर्ट देते हैं। वे लगभग एक ही भाषा का उपयोग करते हैं, बस क्रिया काल अलग है।

तुम्हें करना चाहिए, और मूसा ने किया। उसके बीच में यह बहुत महत्वपूर्ण भाग है, अध्याय 32 से 34, सोने का बछड़ा। और हम आज रात अध्याय 32 पर नज़र डालना चाहते हैं।

यह इतना महत्वपूर्ण है और इसमें इतनी धार्मिक सामग्री है कि मैंने सोचा कि हम आज रात सिर्फ एक अध्याय पढ़ें क्योंकि यहाँ पढ़ाए जा रहे पाठों के संदर्भ में यह बहुत महत्वपूर्ण है। श्लोक 1 से 6, जब लोगों ने देखा कि मूसा पहाड़ से उतरने में देरी कर रहा है, तो लोग हारून के पास इकट्ठे हुए और उससे कहा, उठो, हमारे लिए देवता बनाओ जो हमारे आगे-आगे चलें। जहाँ तक इस मूसा का सवाल है, और यह वास्तव में वह व्यक्ति है जो हमें मिस्र की भूमि से बाहर लाया था, हम नहीं जानते कि उसका क्या हुआ।

तो फिर लोग क्यों चाहते थे कि हारून उनके लिए देवता बनाए? ठीक है, ठीक है। और क्यों, उनकी चिंता क्या है? बिल्कुल। मुद्दा डर है।

वे डरे हुए हैं। बगीचे में यही समस्या थी। साँप ने आदम और हव्वा को यकीन दिलाया कि परमेश्वर भरोसे के लायक नहीं है, और उन्हें डर था कि परमेश्वर उनका इस्तेमाल करेगा, और वह उन्हें उन चीज़ों से वंचित कर देगा जिनकी उन्हें ज़रूरत है।

तो, क्या उनके पास डरने का कोई कारण है? मूसा पहाड़ पर कितने दिनों से है? चालीस दिन। एक व्यक्ति बिना पानी के कितने दिनों तक जीवित रह सकता है? अगर आप भाग्यशाली हैं तो आठ दिन। आप जीवित रह सकते हैं, आप में से कुछ लोग इतने बूढ़े हैं कि 70 के दशक की शुरुआत में दो या तीन आयरिश भूख हड़तालियों को याद कर सकते हैं, मुझे लगता है कि यह 55 दिन था, आप बिना भोजन के रह सकते हैं।

लेकिन आठ दिन बिना पानी के। वह वहाँ 40 दिन से है। उस आग के तूफ़ान में उस पहाड़ पर पानी नहीं है।

इसलिए, उनका डर सिर्फ़ निराधार नहीं है। हम नहीं जानते कि इस मूसा के साथ क्या हुआ। और पहली आयत के अनुसार वह कौन है? यह मूसा जो हमें बाहर लाया।

यह उनकी विफलता है, है न? मूसा ने हमें मिस्र से बाहर निकाला, और मूसा स्पष्ट रूप से उस पहाड़ पर मर चुका है, इसलिए हम भयानक संकट में हैं। उन्हें क्या सोचना चाहिए था? भगवान ने उन्हें बाहर निकाला, और मूसा के साथ चाहे जो भी हो, भगवान अभी भी हमारे आसपास हैं। तो, एक तरफ, हाँ, अगर मूसा ही उन्हें बाहर निकालने वाला था, तो उनके डर के कुछ आधार थे।

लेकिन अगर परमेश्वर ने उन्हें बाहर निकाला, तो मूसा के साथ जो भी हुआ, उन्हें डरने की ज़रूरत नहीं है। ठीक है, यह रवैया भरोसे के विपरीत कैसे है? ठीक है, आपको अपने फ़ैसले खुद लेने होंगे क्योंकि डर आपको आगे बढ़ा रहा है। आपको खुद को माफ़ करना होगा।

ठीक है, ठीक है। डर, कोई आधार नहीं। भरोसा, एक आधार है।

डर और क्या कहता है? हाँ, हाँ। आप स्पष्ट रूप से नहीं सोच रहे हैं। आप अपने डर से प्रेरित हैं।

फिर भरोसा कहता है, मुझे नहीं पता कि भगवान इस समस्या का समाधान कैसे करेंगे, लेकिन मुझे विश्वास है कि वे ऐसा करेंगे। और इसलिए, मुझे इस या उस या अन्य समाधान में जल्दबाजी करने की ज़रूरत नहीं है। डर हमें जो भी हाथ में आता है उसे पकड़ने के लिए प्रेरित करता है जो शायद हमें इस झंझट से बाहर निकाल सके।

लेकिन, हाँ, हाँ, हाँ, बिल्कुल, हाँ, हाँ। और यह एक तरह की मुर्गी और अंडे वाली बात है। डर हमें भूलने पर मजबूर कर देता है।

और क्योंकि हम भूल जाते हैं, इसलिए हम डरते हैं। हाँ, हाँ। वापस जाओ, वापस जाओ।

वे हमेशा पीछे लौटना चाहते हैं। वे अज्ञात की ओर देखने से डरते हैं। वे ज्ञात की ओर लौटना चाहते हैं, भले ही इसका मतलब गुलामी हो।

अनेक देवताओं में से एक, एक ईश्वर पर ध्यान केन्द्रित करना। हाँ, हाँ। और फिर, यह कहना होगा कि यहाँ जो हो रहा है वह बहुत चौंकाने वाला है।

जैसा कि मैंने दो या तीन हफ़्ते पहले आपसे कहा था, मिस्र में उन्होंने जो कुछ भी सीखा है वह सब ग़लत है। वहाँ बहुत से ईश्वर नहीं हैं। ईश्वर सिर्फ़ एक है।

ईश्वर इस दुनिया में नहीं है। वह इस दुनिया से बाहर है। ईश्वर को प्रभावित नहीं किया जा सकता।

और आप सूची में नीचे की ओर बढ़ते हैं। और इसलिए, फिर से, हम पीछे खड़े होकर उन पर बहुत अधिक उँगलियाँ नहीं उठा सकते। वे बहुत ही, जैसा कि किसी ने कहा, जैसे आदम और हव्वा बगीचे से बाहर निकले, हव्वा ने आदम से कहा, मुझे विश्वास है कि हम एक प्रतिमान बदलाव में हैं।

हाँ। हिब्रू लोगों में हम एक बड़े बदलाव के दौर से गुज़र रहे हैं। इसलिए, हम उनके डर को थोड़ा-बहुत समझ सकते हैं।

मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही उचित धारणा है। मुझे लगता है, जैसा कि हम कह सकते हैं, भगवान ने निश्चित रूप से ये निर्देश क्यों दिए होंगे। हम उन्हें लगभग 45 मिनट में पाँच अध्यायों में पढ़ सकते हैं।

आपको इसके लिए 40 दिन की आवश्यकता नहीं है, है न? लेकिन यही बात है। मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही उचित धारणा है कि भगवान जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं, कि वह उन्हें कुछ ऐसी चीज़ों से वंचित कर रहे हैं जिन्हें वे अपना ज़रूरी समर्थन मानते हैं, ठीक उसी तरह से उन्हें उस जगह पर लाने की कोशिश कर रहे हैं जहाँ वे गलत चीज़ों पर निर्भर रहना बंद कर देंगे और अचूक चीज़ों पर निर्भर रहेंगे क्योंकि टैबलेट कंप्यूटर पर नहीं बने थे।

संभवतः नहीं। या उनमें से थोड़ा सा। संभवतः, वे नहीं थे।

हाँ। 40 साल का क्या महत्व है? हाँ, 40 साल एक पीढ़ी है। तो, अगर आप कहें तो यह एक पूरा चक्र है।

और फिर 40 दिन को समय का एक पूरा चक्र माना जाता है, चाहे आप जिस भी चक्र की बात कर रहे हों। हाँ, 3, 7, 10, 12 और 40 बाइबल की पवित्र संख्याएँ हैं। ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं।

अब, ठीक उसी समय जब लोग कह रहे हैं, हमें देवता बनाओ जो हमारा नेतृत्व करेंगे, जो हमारे आगे चलेंगे, परमेश्वर पहाड़ पर क्या कर रहा है? वह मूसा से बात कर रहा है, और वह मूसा को क्या दे रहा है? निर्देश। उसने पहले ही दस आज्ञाएँ दे दी हैं। वह उन्हें पत्थर पर लिखने जा रहा है, लेकिन वे पहले ही दी जा चुकी हैं।

और तम्बू क्या है, तम्बू क्या चीज़ें प्रदान करता है और उनका प्रतिनिधित्व करता है? ठीक है, संगति, परमेश्वर की उपस्थिति, और दृश्यमान उपस्थिति। यहाँ कुछ मूर्त है जो उनके साथ परमेश्वर की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है। हमें एक ऐसा परमेश्वर बनाओ जिसे हम देख सकें।

और इस समय, भगवान उन्हें वह दे रहे हैं जिसकी उन्हें ज़रूरत है। उन्हें ज़रूरत है, हम सभी को ज़रूरत है, क्योंकि हम शरीर में हैं, हमें भगवान के मूर्त रूप की ज़रूरत है। इसीलिए हम गिरजाघर बनाते हैं।

हमें उसकी संगति की भी ज़रूरत है। हमें उसकी मौजूदगी का एहसास होना चाहिए। हमें आराधना में लगे रहने की ज़रूरत है, और हमें अपनी आराधना के लिए कुछ ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत है।

उन्हें किस चीज़ की ज़रूरत थी? पद 1, ऊपर, हमें ईश्वर बनाओ कौन क्या करेगा? हमारे आगे चलो। तम्बू ने किस तरह मार्गदर्शन प्रदान किया? वहाँ एक पुजारी था, हाँ, हाँ, लेकिन यात्रा पर मार्गदर्शन, ठीक है। बादल का खंभा जो तम्बू के ऊपर था।

और जब खंभा हिलता है, तो आप तम्बू को पैक करके उसके साथ ले जाते हैं। और जब खंभा रुक जाता है, तो आप तम्बू को खोलकर उसे स्थापित करते हैं, और जब तक खंभा हिलता नहीं है, तब तक आप वहीं रहते हैं। तो, भगवान जानता है कि उन्हें क्या चाहिए।

और विडंबना यह है कि इस समय, परमेश्वर उन्हें वह दे रहा है जिसकी उन्हें आवश्यकता है। तम्बू ने और क्या प्रदान किया जिसकी हम मनुष्यों को आवश्यकता है? अभयारण्य, हाँ, हाँ। तम्बू का वर्णन कैसा है? यह सुंदर है, है न? हम मनुष्यों को सुंदरता की आवश्यकता है।

और फिर, विडंबना यह है कि, हारून सिर्फ़ एक छोटा सा सोने का कैफ़े ही बना सका। भगवान के पास उनकी सौंदर्यपूर्ण पूर्ति के लिए और भी बहुत सी अद्भुत योजनाएँ थीं। ये रंग यूँ ही इधर-उधर नहीं फेंके गए थे।

यह कुछ ऐसा था जो बहुत सुंदर था। हाँ, तुम बिल्कुल सही हो, बिल्कुल सही। वह बादल वाली चीज़ जो डरावनी है।

हम नहीं जानते कि यह कैसे काम करता है, लेकिन हम जानते हैं कि मूर्ति कैसे काम करती है। इसलिए, यह चमकती है, जबकि दिन के समय... नहीं, आपने इसे चमकते हुए नहीं देखा, लेकिन आप इसे बादल के एक स्तंभ के रूप में देखेंगे। तो हाँ, बेहतर शब्द की कमी के कारण, यहाँ नियंत्रण के हित में बहुत अधिक इनकार चल रहा है।

क्योंकि जो कुछ भी उन्हें उम्मीद दे सकता है वह बहुत... बिल्कुल, बिल्कुल। यह वैसा नहीं दिखता जैसा हम जानते हैं। जैसा कि मैंने आपको पहले बताया है, मिस्र का शाही देवता अमुन-रे था, जो वास्तव में दो देवताओं का संयोजन है।

रा पुराने सूर्य देवता हैं। अमुन 12वें राजवंश के गुप्त देवता थे। जोसेफ के आने से पहले यही राजवंश नियंत्रण में था।

और उन्होंने दोनों को मिला दिया, और अमुन-रा को बैल के रूप में दर्शाया गया। जैसा कि मैंने आपको पहले बताया था, हमारे पास लगभग सभी अमुन-रे बैल हैं। वे ममीकृत थे।

हमारे पास बहुत से फिरौन नहीं हैं, लेकिन हमें लगभग सभी बैल मिल गए हैं। तो फिर, यह संयोग नहीं है। हारून बाद में कह सकता है, आप जानते हैं, मैंने सोना डाला, और यह बछड़ा निकला।

नहीं, नहीं। यहाँ यह बहुत स्पष्ट है। उसने उनके हाथ से सोना लिया, उसे एक नक्काशीदार औजार से गढ़ा, और एक सोने का बछड़ा बनाया।

अब यह संभव है कि यह एक पूर्ण आकार का बैल था, और बाइबल यह कहकर इसका मज़ाक उड़ा रही है, हाँ, यह बस एक छोटा बूढ़ा बछड़ा था। या यह एक साल के बछड़े का मॉडल हो सकता है, बैल बछड़ा, आप जानते हैं, एक किशोर बछड़े की तरह जो अपनी प्रजनन क्षमता के चरम पर है। इसलिए, हम निश्चित रूप से नहीं जानते, लेकिन यह संभव है कि यह एक मज़ाक हो।

अगर बैल उसे नरक और दर्द देने वाला था, तो वे बच्चे को क्यों लाएंगे? खैर, मुझे लगता है, फिर से, यह संभव है कि बछड़ों, फिर से, हिब्रू के पास एक छोटी शब्दावली है। तो, आपके पास परिपक्व जानवर और जन्म से लेकर सब कुछ है, इसलिए मैं कहता हूँ कि यह एक साल का बच्चा हो सकता है। और, फिर से, एक साल का बच्चा, आप जानते हैं, डर्बी के लिए, हम दो साल के बच्चों को चलाते हैं।

दो साल के घोड़े वाकई बहुत छोटे घोड़े हैं। इसलिए, फिर से, यह एक युवा बैल हो सकता है और अपनी युवावस्था और जीवन शक्ति पर जोर दे रहा है। हाँ।

एरन मिस्र में सेमिनरी में गया था। और इसलिए, वह वही कर रहा है जो उसने सीखा है। मुझे पूरा विश्वास है कि, वास्तव में, बहुत समय पहले मैंने इस पर एक लेख लिखा था।

मुझे पूरा भरोसा है कि हारून को समस्या नहीं दिखी क्योंकि आप इसे पा सकते हैं, और, फिर से, मैंने इस क्षेत्र में अपना डॉक्टरेट शोध प्रबंध लिखा है; आप इसे मिस्र के भजनों और प्रार्थना कथनों में पा सकते हैं, जैसे, अम्मोन एक ईश्वर है जिसके पास कोई दूसरा नहीं है। अम्मोन जैसा कोई नहीं है। अम्मोन देवताओं से छिपा हुआ है।

वे उसका नाम नहीं जानते, और साथ ही वह बैल भी है। बुतपरस्त विश्वदृष्टि एकता की कल्पना कर सकती है, जब तक कि यह अनेकता से अलग न हो।

इसलिए, मुझे पूरा भरोसा है कि हारून को समस्या नज़र नहीं आई। मूसा ऊपर अदृश्य यहोवा की आराधना कर रहा है। मैं यहाँ नीचे दृश्यमान यहोवा का चित्रण कर रहा हूँ।

अगर हम कह रहे हैं कि यह सिर्फ़ था, तो क्या वह ऐसा कर रहा है? नहीं, मुझे लगता है कि अगर यह बछड़ा था, तो यह एक किशोर बैल था। यही हमें मिला है। वह अपनी प्रजनन शक्ति के चरम पर एक युवा बैल है।

लेकिन, मुझे इस पर थोड़ा और विस्तार से बात करनी चाहिए क्योंकि यह बात बिल्कुल सही है। बुतपरस्ती कल्पना कर सकती है; बेशक, देवता अदृश्य हैं। बेशक आप उन्हें देख नहीं सकते।

लेकिन वह चीज़ और अदृश्य ईश्वर एक ही हैं। इस दृश्यमान चीज़ जिसे मैंने बनाया है और उस अदृश्य चीज़ के बीच कोई सीमा नहीं है जिसका यह प्रतिनिधित्व करता है। बाइबल जो कह रही है, ओह हाँ, वहाँ सीमा है।

भगवान यह संसार नहीं है। इसलिए, आप उसे इस संसार में किसी भी चीज़ के रूप में प्रस्तुत नहीं कर सकते। और यही आकर्षण है।

यह बुतपरस्ती का आकर्षण है। यह आज हमारे चारों ओर बुतपरस्ती का आकर्षण है। खैर, बेशक वहाँ अदृश्य आत्माएँ हैं।

लेकिन, वे अदृश्य आत्माएँ पेड़ का हिस्सा हैं। हाँ, हाँ, नदी देवता के लिए नदी ही सब कुछ नहीं है। नदी देवता एक आत्मा है।

लेकिन, यह नदी नदी की आत्मा का एक हिस्सा है। वे इसे नया युग कहते हैं। यह पुराना युग है।

यह सदियों पुराना है। यह मानव जाति के उदय जितना ही पुराना है। और, यहाँ जो बात फिर से बहुत ही आश्चर्यजनक है वह यह है कि ईश्वर कह रहा है, नहीं, मैं एक आत्मा हूँ, और कोई भी सृजित वस्तु मेरे समान नहीं है।

सवाल? हाँ। बिल्कुल। बिल्कुल।

बिल्कुल. बिल्कुल. हाँ.

ऐसी कोई बात नहीं है। खराब व्याकरण के लिए क्षमा करें। हाँ, हाँ, हम इस पूरी बात में बहुत आसानी से फंस जाते हैं।

और, फिर से, आज सुबह मैं अपनी प्रार्थनाओं में लेविटस 18 पढ़ रहा था। और यह सभी यौन पापों के बारे में है। और यह बात मुझे फिर से प्रभावित कर गई।

हमने पहले भी इस बारे में बात की है। लेकिन, मैं आपको यह याद दिलाना चाहता हूँ। बुतपरस्त विश्वदृष्टि एक ऐसी विश्वदृष्टि है जो इस बात पर जोर देती है कि कोई सीमा नहीं है।

यह ब्रह्मांड है। और ब्रह्मांड से परे कुछ भी नहीं है। कार्ल सागन का यही मानना था।

अब उसे बेहतर पता है। वह मर चुका है। और, ब्रह्मांड में, सब एक साथ उलझे हुए हैं।

और, दुर्भाग्य से, तस्वीर में वे अलग-अलग क्षेत्रों में हैं। लेकिन, बिंदीदार रेखाएँ यह बताती हैं कि वे सभी आपस में उलझे हुए हैं। यह मानवीय क्षेत्र है।

प्रकृति का क्षेत्र है। और देवता का क्षेत्र है। और ये सभी आपस में जुड़े हुए हैं।

मैं जो करता हूँ, अगर मैं सही शब्द कहता हूँ, तो देवताओं को भी वही करना पड़ता है। और, अगर देवता ऐसा करते हैं, तो प्रकृति की दुनिया भी वैसा ही करेगी। और मुझे वही मिलेगा जो मैं चाहता हूँ।

लेकिन, एक चीज़ है जो नहीं हो सकती। कोई सीमा नहीं हो सकती। मेरे और प्रकृति के बीच कोई सीमा नहीं हो सकती।

मेरे और देवताओं के बीच कोई सीमा नहीं हो सकती। देवताओं और प्रकृति के बीच कोई सीमा नहीं हो सकती। अगर ऐसा है, तो मेरे अनुष्ठान काम नहीं करेंगे।

कोई सीमा नहीं है। अब, लैव्यव्यवस्था 18 कहता है, कनानियों जैसा मत करो। और फिर, अनाचार, पशुगमन, व्यभिचार, समलैंगिक व्यवहार।

वे जो करते हैं, वैसा मत करो। वे ये सब क्यों करते थे? वे धार्मिक कारणों से ऐसा करते थे। वे अपने धर्म के अनुसार ऐसा करते थे।

लेकिन, धार्मिक कारणों से उन्होंने अपने धर्म से बाहर जाकर भी इसका पालन किया। यानी, कोई सीमा नहीं है। मेरे और मेरी बेटी के बीच कोई सीमा नहीं है।

मेरे और मेरी माँ के बीच कोई सीमा नहीं है। मेरी पत्नी और आपकी पत्नी के बीच कोई सीमा नहीं है। मेरे और जानवर के बीच कोई सीमा नहीं है।

मेरे और दूसरे पुरुष के बीच कोई सीमा नहीं है। कोई सीमा नहीं है। अब, आप सुनिए कि हमारे समाज में क्या चल रहा है।

और, आप जो सुन रहे हैं वह यह है कि कोई भी मुझे यह नहीं बताएगा कि मैं अपनी कामुकता का उपयोग कैसे करूँ। कोई सीमा नहीं है।

यह किताब, यह घिनौनी, घृणित पुरानी किताब। यह कहती है, ओसवाल्ल्ड, एक सीमा है। मैंने इसे दुनिया में बनाया है।

आप अपनी बेटी के साथ सेक्स नहीं कर सकते। एक अभिभावक के रूप में आप और एक बच्चे के रूप में उसके बीच एक सीमा है। क्योंकि बाइबिल का विश्वदृष्टिकोण कहता है कि ब्रह्मांड से परे कोई है।

और, मेरे लिए स्वर्ग में जाकर उसे नीचे लाना असंभव है। बाइबिल का वह पाठ याद है? और, जिस तरह मेरे और ईश्वर के बीच एक कठोर सीमा है। मेरे और प्रकृति के बीच भी एक कठोर सीमा है।

हम पतलून पहने हुए बंदर नहीं हैं। हम एक अलग तरह के प्राणी हैं। फिर से, यह बात मानवविज्ञानी या जीवविज्ञानी को बताइए।

और, आप खुद को एक नॉक-डाउन, ड्रैग-आउट लड़ाई में पाएंगे। अब, अच्छी खबर यह है। अच्छी खबर यह है।

सीमा एकतरफ़ा पारगम्य है। क्योंकि ईश्वर, उनके नाम को आशीर्वाद दें, हम पर आक्रमण कर सकते हैं। कहीं भी और किसी भी तरह, वह चुनता है।

तो, यहाँ वास्तव में एक प्रतिमान बदलाव हो रहा है। और, एरन, मुझे पूरा भरोसा है। एरन वास्तव में उलझन में था जब मूसा ने कहा, उन्होंने तुम्हारे साथ क्या किया? मेरा मतलब है, क्या उन्होंने तुम्हारे नाखून उखाड़ लिए? क्या उन्होंने तुम्हें सिगरेट के बट से जलाया? मेरा मतलब है, उन्होंने तुम्हारे साथ क्या किया? और, एरन कहता है, अरे, यह मेरी गलती नहीं है।

मैं बस वही कर रहा हूँ जो मैं कर रहा हूँ... मेरा मतलब है, समस्या क्या है, मूसा? और, मूसा कहता है, तुम अभी भी इसे नहीं समझे, है न? परमेश्वर पवित्र है। हमने पिछले सप्ताह इसके बारे में बात नहीं की। लेकिन, पवित्र, अध्याय 25 से पहले निर्गमन की पुस्तक में केवल तीन बार आया है, अध्याय 25 और अध्याय 40 के बीच लगभग 40 बार आता है।

सोचो भगवान कोई बात कहना चाह रहे होंगे? भगवान बिलकुल अलग हैं, आप जो भी सोच सकते हैं, एरोन। वह अपने सार में अलग हैं, लेकिन वह अपने चरित्र में भी अलग हैं। देवता हमारी छवि में बने हैं।

तो, वे हमारे जैसे ही हैं, बस बदतर हैं। हम झूठ बोलते हैं, इसलिए वे झूठ बोलते हैं। हम भ्रष्ट हैं, इसलिए वे भ्रष्ट हैं।

अब, यह कहना होगा कि कभी-कभी हम अच्छे होते हैं, और कभी-कभी वे, फिर से, खराब व्याकरण के लिए क्षमा करें, अच्छे होते हैं। वे बस वही सब हैं जो हम हैं, बड़े पैमाने पर लिखा गया है। और, यह पुस्तक कहती है, अंदाज़ा लगाइए क्या? पवित्र व्यक्ति हमारे जैसा नहीं है।

वह हमारी छवि में नहीं बना है। तो, तीन छंद, ठीक है। ऐसा लगता है कि चुनाव बहुत दिलचस्प होने वाला है।

मैं वहाँ नहीं जा रहा हूँ, और मैं वहाँ नहीं जा रहा हूँ। इस प्रक्रिया में लोग कितने शामिल थे? उन्हें बस एक ही काम करना था: तुम्हारी बीवी और बच्चों के कानों की बालियाँ तोड़ना, बस। बस।

बस इतना ही उन्होंने योगदान दिया। बस इतना ही उन्होंने किया। काम किसने किया? आरोन, धार्मिक पेशेवर। मुझे उम्मीद है कि शाम खत्म होने से पहले मैं इसके बारे में कुछ और कहूँगा।

जब हम ईश्वर पर भरोसा करने से इनकार करते हैं, तो क्या होता है? हम मुसीबत में पड़ जाते हैं, हाँ। सबसे पहले, सृष्टि को बहुत बड़ा माना जाता है, बैल को। संसाधनों का दुरुपयोग किया जाता है।

केवल कुशल लोगों को ही महत्व दिया जाता है। और जब हम प्रतीक्षा नहीं करेंगे तो ईश्वर हमसे दूर हो जाएगा। दो सप्ताह में हम देखेंगे कि वास्तव में ईश्वर की प्रतीक्षा करने से विपरीत परिणाम कैसे सामने आते हैं।

उसने उन्हें मिस्र में ऐसा करते देखा था। हो सकता है कि उसने मिस्र में इसमें भाग लिया हो। और, फिर से, मैं इसे धर्मग्रंथों से साबित नहीं कर सकता, लेकिन मैं इस बात से काफी संतुष्ट हूँ कि मूसा के वहाँ पहुँचने तक हिब्रू धर्म पूरी तरह से मूर्तिपूजक हो चुका था।

उन्होंने अपने समय की सबसे बुतपरस्त संस्कृति में 400 साल बिताए थे। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कोई तरीका था जिससे वे कुछ और कर सकते थे। और, आप ध्यान दें कि पाठ क्या कहता है।

हे इस्राएल, यह तुम्हारा परमेश्वर है, जो तुम्हें मिस्र देश से निकाल लाया। लोग यही कह रहे हैं। अब, यहाँ एक हिब्रू बात चल रही है जो काफी दिलचस्प है, कम से कम एक हिब्रू प्रोफेसर के लिए।

जिस शब्द का अनुवाद आम तौर पर भगवान के रूप में किया जाता है, वह वास्तव में बहुवचन है। वह " इम " अंत बहुवचन है। करूब, सेराफिम। इसलिए, कृपया करूब के बारे में बात न करें। आप करूब के बारे में बात कर सकते हैं, या आप सेराफ के बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन करूब बहुवचन है। सेराफिम बहुवचन है।

एलोहिम बहुवचन है। इसलिए, संदर्भ के आधार पर, इसी शब्द का अनुवाद भगवान या देवताओं के रूप में किया जा सकता है। इसलिए, यहाँ मेरा अनुवाद कहता है, हे इस्राएल, ये तुम्हारे देवता हैं, जो तुम्हें मिस्र की भूमि से बाहर लाए हैं।

खैर, शायद यही उनका इरादा था, लेकिन मुझे नहीं पता कि उन्होंने एक बछड़े को अपना देवता क्यों कहा। मुझे लगता है कि उन्होंने कहा, यह तुम्हारा भगवान है। यह यहोवा है।

और मुझे लगता है कि उन्होंने यही सीखा था। मुझे लगता है कि मिस्र में उन्होंने सालों तक यही किया था। पूर्वजों का ईश्वर, यहाँ हमारा आदर्श है।

और इसलिए, वे फिर से अतीत की ओर लौट रहे हैं। भगवान ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह गलत है। आप अब ऐसा नहीं कर सकते।

जब बात आती है तो मुझे परवाह नहीं होती कि मैंने खून की कसम खाई है कि मैं ऐसा दोबारा कभी नहीं करूँगा। मैं डरा हुआ हूँ। मैं डरा हुआ हूँ।

मुझे यहाँ थोड़ी मदद चाहिए। सभी लोगों की। हाँ।

उसने उनके हाथ से सोना लिया और उसे नक्काशीदार औजार से गढ़ा और एक सोने का बछड़ा बनाया, और उन्होंने कहा ... तो, वह हारून है; वे लोग हैं। तो, हारून ने यह चीज़ बनाई, और लोगों ने कहा, हाय! अपने परमेश्वर इस्राएल को देखो, जो तुम्हें मिस्र देश से निकाल लाया है।

इसमें यह नहीं लिखा है कि हारून ने ऐसा कहा था। और मेरे लिए यह बात दिलचस्प है कि, पद 5 में, जब हारून ने यह देखा, तो उसने एक वेदी बनाई। यह कुछ हद तक राजा शाऊल जैसा लगता है।

ओह, लोग ऐसा करना चाहते थे, सैमुअल। तो, मैंने कहा, ठीक है। कल एक त्यौहार का दिन होगा।

इसलिए, वे अगले दिन सुबह उठे; उन्होंने होमबलि और शांतिबलि चढ़ाए, और लोग खाने-पीने के लिए बैठ गए और खेलने के लिए उठे। जैसा कि मैंने पृष्ठभूमि नोट में कहा है, वे वॉलीबॉल नहीं खेल रहे थे। हिब्रू में खेलना उन दुर्लभ शब्दों में से एक है जो अंग्रेजी अर्थों में बिल्कुल फिट बैठता है।

इसका मतलब पीड़ा देना भी हो सकता है। बिल्ली ने चूहे के साथ खेला। और बिल्ली को चूहे से कहीं ज़्यादा मज़ा आया।

इसका मतलब मनोरंजन भी हो सकता है, या फोरप्ले भी। और यहाँ पर इसका मतलब फोरप्ले है।

हिब्रू शब्द में भी वही तीन अर्थ हैं, जैसे अंग्रेज़ी शब्द के खेल में होते हैं। ऐसा बहुत कम होता है। आमतौर पर, यह एक अनुमान होता है।

लेकिन, इस मामले में नहीं। पीड़ा। पीड़ा।

किसी के साथ खेलना। उन्हें परेशान करना। हाँ, हाँ, और फिर से, मुझे लगता है कि यहाँ समन्वयवाद पूरी तरह से चल रहा है।

क्या यह अम्मोन-रा है? हाँ। क्या यह यहोवा है? हाँ। क्या यह देवता हैं? हाँ।

क्या यह ईश्वर है? हाँ। और फिर, कोई सीमा नहीं। हम जो बाइबल पर पले-बढ़े हैं, श्रेणियों में सोचते हैं।

ऐसा नहीं है। बुतपरस्ती कहती है, नहीं, आप ऐसा नहीं कर सकते। हर चीज़ हर चीज़ के बराबर है।

कोई सीमा नहीं है। इसका संबंध आज हम जिस तरह से सोचते हैं, उससे है। नहीं, नहीं, नहीं।

आप यह नहीं कह सकते कि यह ऐसा है और वह ऐसा नहीं है। हर चीज़ कभी न कभी ऐसी ही होती है। और हममें से जो 60 साल से ज़्यादा उम्र के हैं, उनके लिए यह कल्पना करना भी बहुत मुश्किल है कि लोग इस तरह सोचते हैं, लेकिन वे ऐसा सोचते हैं।

हमारे सभी किशोर इसी तरह सोचते हैं। कुछ भी निरपेक्ष नहीं है। कुछ भी नहीं।

कुछ भी बिल्कुल ऐसा नहीं है। और कुछ भी बिल्कुल ऐसा नहीं है। बिल्कुल।

बिल्कुल। और जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, सिवाय इसके कि जब आप किसी ऊंची इमारत से कूदते हैं। यह लगभग तय है कि आप नीचे गिरेंगे।

हाँ, जिस तरह से हम अपने मन में विचार बनाते हैं, वह हमेशा भ्रष्ट ही रहता है। यह सबसे सटीक कथन है जो आप पा सकते हैं। और यह सच है।

बस यही है। हमें जिस तरह से सोचना है, उसे बदलना होगा। और यही बात रोमियों 12.1 में पौलुस कह रहा है। अपने मन के नवीनीकरण से बदल जाँ, अलग तरीके से सोचें।

और यही चुनौती है। फिर से, यह मेरे बुढ़ापे की ओर बढ़ने का संकेत है। लेकिन मैं फिर भी यह कहूँगा।

मैं सच में मानता हूँ कि अगर हम हैं, अगर मानव समाज 200 साल बाद भी यहाँ है, तो वे चर्च के भ्रष्टाचार को टेलीविज़न के आने से जोड़ देंगे। दुनिया हमारे बीच आ गई, और हमने उसे आमंत्रित किया। और औसतन, औसतन प्रतिदिन सात घंटे उस सामान को देखते हैं, जो अमेरिका के लिए सच है।

इसका मतलब है कि बहुत से लोग इसे दिन में 17 घंटे देख रहे हैं। क्योंकि मैं इसे दिन में एक घंटा भी नहीं देखता। हाँ, हाँ, हाँ।

तो, यह यहाँ है। और आप जो युवा हैं उनके सामने चुनौती यह है कि आप अपने बच्चों को ईसाई, बाइबिल के विश्वदृष्टिकोण के साथ कैसे बड़ा कर सकते हैं जब उन पर दूसरे दृष्टिकोणों की बौछार हो रही है? और देर से जाओ। हाँ, ठीक है।

हाँ, बिल्कुल, बिल्कुल।

हाँ, हाँ, हाँ। हाँ, और यौन व्यवहार धार्मिक व्यवहार है। देवता कामुक हैं, और देवता यौन रूप से कार्य करते हैं।

और इसलिए, जब हम धर्म के संदर्भ में यौन क्रिया करते हैं, तो हम देवताओं के साथ भागीदारी कर रहे होते हैं। तो, यह सिर्फ मौज-मस्ती नहीं है। यह धार्मिक महत्व के साथ मौज-मस्ती है।

प्रेम करो, युद्ध नहीं। ठीक है, तो, श्लोक 7 से 14। याद रखो, अब, वाचा समाप्त हो गई है।

वाचा इस बात से समाप्त होती है कि, यदि तुम ये काम करोगे, तो तुम धन्य होगे। यदि तुम वाचा का पालन करोगे, तो तुम धन्य होगे। यदि तुम वाचा को तोड़ोगे, तो तुम शापित होगे।

वाचा अब टूट चुकी है। अगर भगवान ने बिना एक पल की भी सूचना दिए उन सभी को जलाकर राख कर दिया होता, तो यह न्याय के अलावा और कुछ नहीं होता। हमें यह बात अपने दिमाग में बैथानी होगी।

हमारे पास यह तस्वीर है, अच्छा, अरे, उन्होंने बस एक छोटी सी बात की, और भगवान रॉकेट की तरह उड़ गए। नहीं, उन्होंने एक छोटी सी बात नहीं की। उन्होंने एक और दो को तोड़ा, और ऐसा करके, उन्होंने पूरी चीज़ को तोड़ दिया।

यह खत्म हो गया है। तो, दिलचस्प बात यह है कि परमेश्वर ने मूसा से इस बारे में चर्चा की। प्रभु ने मूसा से कहा, नीचे जाओ, क्योंकि तुम्हारे लोग, जिन्हें तुम मिस्र देश से निकाल लाए हो, भ्रष्ट हो गए हैं।

उन्होंने तुरन्त ही उस मार्ग से विमुख हो गए, जिस पर चलने की मैंने उन्हें आज्ञा दी थी। उन्होंने अपने लिए एक सोने का बछड़ा बनाया और उसकी पूजा की और उसे बलि चढ़ाया, और कहा, ये तुम्हारे देवता हैं, या हे इस्राएल, यह तुम्हारा परमेश्वर है, जो तुम्हें मिस्र देश से निकाल लाया है। उसे मूसा को यह बताने की आवश्यकता नहीं है।

उसे इस बारे में उससे बात करने की ज़रूरत नहीं है। यहोवा ने मूसा से कहा, “मैंने यह देखा है, लोगों। देखो, यह एक हठीली जाति है।”

फिर से, मैंने इस बारे में पहले भी बात की है। यह बछड़े की तस्वीर है। आप इस पर लगाम लगाते हैं।

तुम इसे किसी बहुत अच्छी जगह पर छोड़ने जा रहे हो, लेकिन बछड़े को यह नहीं पता, और बछड़ा मना कर देता है और अपने चारों खुशों को खोदकर अपनी गर्दन को छड़ की तरह बना लेता है। ये हिब्रू लोग हैं। इसलिए अब मुझे अकेला छोड़ दो ताकि मेरा क्रोध उन पर भड़के और मैं उन्हें भस्म कर दूँ ताकि मैं तुमसे एक महान राष्ट्र बना सकूँ।

अब, इस संवाद में दो बातें हैं जो मुझे दिलचस्प लगती हैं। पहली बात पर ध्यान दें। श्लोक 7. किसके लोग? किसके क्या? आपने बात उठाई।

भगवान भी वही कह रहे हैं जो लोगों ने कहा। यह मूसा नाम का व्यक्ति है, उसी ने हमें बड़ा किया है। हम नहीं जानते कि उसके साथ क्या हुआ।

परमेश्वर कहता है कि तुम्हारे लोग जिन्हें तुमने पाला है, वे एक गड़बड़ हैं। रुको। अब श्लोक 10 को देखो।

क्या परमेश्वर सिर्फ चुने हुए लोगों के साथ ही काम करना बंद कर देगा? अच्छा, ऐसा क्यों? हाँ, और? मैं तुमसे एक महान राष्ट्र बना सकता हूँ, मूसा। यह कैसा लगता है? हर उपदेशक यहाँ रहा है। मैंने इन लोगों के लिए जो कुछ भी किया है, मैंने उन्हें जो उपदेश दिए हैं, मैंने उनके साथ पूरी रात जागकर प्रार्थना की है, उन्हें सलाह दी है, उनकी मदद की है, उसके बाद भी वे मेरे साथ ऐसा व्यवहार करते हैं।

मुझे लगता है कि यहोवा मूसा की परीक्षा ले रहा है। मूसा, क्या तुम भी ऐसा महसूस करना चाहोगे? ऐसा महसूस करना चाहोगे कि तुमने उनके लिए जो कुछ किया है उसके बाद उन्होंने तुम्हें चोट पहुंचाई है? और क्या तुम चाहोगे कि यह इतिहास की किताबों में दर्ज हो, इस्राएल के बच्चों के लिए नहीं, बल्कि मूसा के बच्चों के लिए? यह अच्छा लग रहा है, क्या तुम्हें नहीं लगता, मूसा? तो, मूसा, अगर तुम मेरे रास्ते से हट जाओ, तो मैं नीचे जाकर उन्हें वह दूँगा जो उन्हें मिलना चाहिए। उसके रास्ते से हट जाओ? तुम्हारा मतलब है, यहोवा, अगर मैं तुम्हारे रास्ते से नहीं हटता, तो तुम वह नहीं करोगे जो तुम्हें करना चाहिए? परमेश्वर मूसा को मध्यस्थता करने के लिए आमंत्रित कर रहा है।

यहाँ मूसा की परीक्षा ली जा रही है। मूसा कह सकता है, ओह, तुम सही हो, भगवान, मैंने उनके लिए जो कुछ किया है, उसके बाद उन्हें पकड़ो। वह ऐसा नहीं कहता।

उसने अपने परमेश्वर यहोवा से विनती की और कहा, हे यहोवा, तेरा क्रोध अपने लोगों पर क्यों भड़क रहा है, जिन्हें तूने बड़ी शक्ति और बलवन्त हाथ से मिस्र देश से बाहर निकाला है? वे मेरे लोग नहीं हैं, परमेश्वर। यह एक बहुत बड़ा सबक है जो हर उपदेशक को सीखना चाहिए। वे मेरे लोग नहीं हैं।

वे यहोवा के लोग हैं। वे भले ही अंदर से सड़े हुए हों, लेकिन वे यहोवा के लोग हैं, मेरे नहीं। मिस्रियों को यह क्यों कहना चाहिए कि दुष्ट इरादे से उसने उन्हें पहाड़ों पर मार डालने, धरती के चेहरे से उन्हें मिटा देने के लिए बाहर निकाला? अपने जलते हुए क्रोध से दूर हो जाओ।

अपने लोगों पर इस विपत्ति से विरत हो जाओ। अपने सेवकों अब्राहम, इसहाक और इस्राएल को याद करो। लोग भले ही भूल गए हों, लेकिन मूसा ने नहीं भुलाया है।

वह यह नहीं भूला है कि परमेश्वर ने अनुग्रह में उनके लिए क्या किया है ताकि उन्हें मिस्र से छुड़ाया जा सके। वह यह नहीं भूला है कि परमेश्वर ने अनुग्रह में अब्राहम, इसहाक और याकूब के लिए क्या किया है। आपने उनसे कहा, मैं तुम्हारे वंश को आकाश के तारों के समान बढ़ाऊँगा और यह सारी भूमि जो मैंने वादा की है, मैं तुम्हारे वंश को दूँगा।

वे इसे हमेशा के लिए विरासत में पा लेंगे। अगर किसी और ने पलायन का सबक नहीं सीखा है, तो मूसा ने सीखा है। उसने सीखा है कि परमेश्वर न्यायी नहीं है, न्यायी नहीं है।

तुम कहते हो, ओसवाल्ल, तुम अपनी बात दोहरा रहे हो। यह सही है। यहोवा न्याय से बढ़कर है।

वह दयालु है। और मूसा कहता है, हे परमेश्वर, तू बार-बार कहता रहा है, वे जान जाएँगे कि तू यहोवा है। हे परमेश्वर, यदि तू वही करेगा जो इन लोगों को मिलना चाहिए, तो लोग गुमराह हो जाएँगे।

वे नहीं जान पाएँगे कि आप वास्तव में कौन हैं। और भगवान कहते हैं कि तुम सही हो, मूसा। बेहतर होगा कि तुम नीचे जाओ और उनसे बात करो।

यह इस उग्र राक्षस भगवान की तस्वीर नहीं है। मुझे उस पर हमला करने दो। मुझे उस पर हमला करने दो।

मैं उसे मार डालूँगा। मैं उसे मार डालूँगा। और मूसा ने कहा, सावधान रहो, परमेश्वर।

नहीं, नहीं, नहीं। तुम्हें पता है, सावधान रहना। नहीं, नहीं, नहीं, नहीं।

और अंत में, देवता कहते हैं, ओह, ठीक है। मुझे लगता है मैं ऐसा नहीं करूँगा। तुम क्या सोचते हो, मूसा? क्या वे तुम्हारे लोग हैं? और क्या वे किसी परेशानी में हैं? क्या तुम चाहोगे कि मैं तुम्हारे लिए एक नया समुदाय बनाऊँ? मैं ऐसा करूँगा, बशर्ते तुम मेरे रास्ते से हट जाओ।

नहीं, भगवान, मैं आपके रास्ते से नहीं हटूँगा क्योंकि इससे आपका अपमान होगा। दुनिया यह गलत समझ लेगी कि आप वास्तव में कौन हैं।

मैं ऐसा नहीं करने जा रहा हूँ, भगवान। भगवान कहते हैं, तुम सही हो। नीचे जाओ और उनसे बात करो।

खैर, मूसा नीचे चला गया। हाँ? हाँ? मुझे थोड़ा-बहुत पता है कि परमेश्वर के मन को कैसे बदला जाए। और यही परेशानी मुझे तब होती है जब मैं विद्वान रहा हूँ, क्योंकि मेरी बाइबल कहती है, इसलिए प्रभु ने अपने लोगों को जो नुकसान पहुँचाना था, उससे पछताया।

इसलिए, मैं अपने सहायक के पास जाता हूँ ताकि यह परिभाषित किया जा सके कि नरम पड़ना बेहतर था। और ऐसा लगता है कि वहाँ लिखा है, भगवान को खेद था कि वह क्रोधित हो गया। लेकिन फिर यह उत्पत्ति 6, 6 को संदर्भित करता है, जहाँ लिखा है, भगवान को खेद था कि उसने इन लोगों को बनाया।

उसने नूह और उसके परिवार को छोड़कर सभी को नष्ट कर दिया। तो, वह उनसे ऊपर नहीं है। क्या अंतर है? ठीक है, यह एक हिब्रू समस्या है।

इस शब्द का मतलब पश्चाताप करना, दया करना आदि है। इसके अलावा, इसका मतलब नरम पड़ना, खेद जताना और अपना मन बदलना है। इसका एक बेहतरीन उदाहरण योना है।

भगवान ने कहा, अभी 40 दिन और बाकी हैं, और मैं नीनवे को जलाकर राख कर दूंगा। और योना ने कहा, अच्छा, मैं दूसरी तरफ जा रहा हूँ। मैं उसे यह नहीं बताने जा रहा हूँ कि भगवान उसे 40 दिनों में जलाकर राख कर देंगे।

भगवान ने कहा, हाँ, तुम हो। और मछली में थोड़ा अनुभव करने के बाद, योना ने कहा, हाँ, मुझे लगता है कि मैं करूँगा। और वह चला गया।

अब, वह पश्चाताप नहीं करता। मैंने बहुत सी टिप्पणियाँ और रविवार स्कूल के पाठ और उपदेश पढ़े हैं जिनमें कहा गया है कि योना ने उनसे पश्चाताप करने के लिए कहा था। उसने पश्चाताप नहीं किया।

पश्चाताप का एक भी शब्द नहीं है। योना के संदेश में संभावित अनुग्रह का एक भी शब्द नहीं है। योना कहता है, तुम 40 दिनों में जलकर राख हो जाओगे, और मुझे खुशी है।

और फिर भी उन्होंने पश्चाताप किया। और परमेश्वर ने अपना मन बदल लिया। परमेश्वर उस शहर को जला देने वाला था, लेकिन लोगों ने सच्चे मन से पश्चाताप किया, और परमेश्वर ने अपना मन बदल लिया।

नैतिक बुराई से पश्चाताप करने के बारे में कुछ भी नहीं है, अशशूर को जलाने के बारे में कुछ भी नैतिक रूप से बुरा नहीं है। वास्तव में, उन्हें जला देना नैतिक रूप से सही होता, लेकिन उन्होंने पश्चाताप किया है। और भगवान कहते हैं कि मैं अपना मन बदलकर खुश होऊँगा।

यहाँ भी यही बात है। भगवान कहते हैं, हे मूसा, इन लोगों को यह सब मिलना ही था। मैं यह करूँगा अगर तुम मेरे रास्ते से हट जाओ।

वह कहता है, नहीं, मैं ऐसा नहीं करूँगा, भगवान। भगवान कहते हैं, ठीक है, मेरे लिए यही काफी है। मेरे नाम की खातिर उनके लिए आपकी मध्यस्थता मुझे अपना मन बदलने और उचित काम न करने के लिए काफी है।

तो, समस्या यह है। इस शब्द के अर्थों की एक बड़ी श्रृंखला है, और आपको किसी विशेष स्थिति के अनुसार यह चुनना होगा कि आप किस अर्थ से निपट रहे हैं। मुझे लगता है कि उत्पत्ति के मामले में, माफ़ी सही है।

उसे इस बात का अफसोस था कि उसने यह समूह बनाया। मुझे नहीं लगता कि यहाँ यह कहना सही होगा कि उसे इस बात का अफसोस था कि उसने कहा था कि वह टूटी हुई वाचा को उन पर लाने जा रहा है। नहीं, लेकिन वह मूसा की मध्यस्थता के आधार पर उन पर टूटी हुई वाचा को लाने के बारे में अपना विचार बदल देगा।

क्या इससे मदद मिलती है? हाँ, इससे बहुत मदद मिलती है। ठीक है। एक और बात जो मैंने सोची, मुझे इतना नकारात्मक होना पसंद नहीं है, लेकिन अगर भगवान ने योना को दूसरी दिशा

में जाने की अनुमति नहीं दी, और हम देखते हैं कि वहाँ क्या हुआ, लेकिन मूसा ने जाने का फैसला नहीं किया, नहीं, मैं आपको लोगों का नेता नहीं बनने दूँगा।

हाँ, मुझे लगता है कि बहुत सारी काश-केवल हैं। अगर मूसा यहाँ परीक्षा में असफल हो जाता, तो मुझे लगता है कि हम मूसा के बारे में कभी नहीं सुन पाते। मुझे लगता है कि भगवान ने किसी तरह अपने लोगों से किया अपना वादा निभाया होता, लेकिन मूसा मंच से बाहर हो जाता, मुझे लगता है।

तो, जैसा कि मैंने कहा, मुझे लगता है कि यह मुख्य रूप से मूसा की परीक्षा है, और मूसा इसे अच्छे अंकों से पास करता है। तो, परमेश्वर कहता है, मुझे इस अध्याय के बाकी हिस्सों को जल्दी से जल्दी पूरा करने दो। परमेश्वर कहता है, ठीक है, नीचे जाओ और उससे बात करो।

इसलिए, मूसा उसके पास जाता है और उससे बात करता है। जब वह देखता है कि वास्तव में क्या हो रहा है, तो मूसा की तुलना में परमेश्वर एक मेमने की तरह लगता है। मूसा रॉकेट की तरह उड़ जाता है।

जैसे ही वह शिविर के पास पहुंचा और बछड़े और नाच को देखा, मूसा का गुस्सा भड़क उठा, और उसने अपने हाथों से तख्तियाँ फेंक दीं और उन्हें पहाड़ के नीचे तोड़ दिया। उसने बछड़े को लिया जो उन्होंने बनाया था और उसे आग में जला दिया, उसे पीसकर चूर्ण बना दिया, उसे पानी में बिखेर दिया, और लोगों को उसे पिला दिया। वह आदमी पागल हो गया है।

धमाका! गोलियों के पास जाओ। दस आज्ञाओं को तोड़ने वाला पहला आदमी। एक हथौड़ा पकड़ता है।

आग में डालने के बाद उसे नरम करके, पीसकर चूर्ण बना लेते हैं। चूर्ण को पानी में डालकर लोगों को पिला देते हैं। यह सिलसिला बहुत लंबा नहीं चलता।

मुझे लगता है कि यह आदमी बग्स बनी में तस्मानियाई शैतान जैसा दिखता था। हाँ, बिल्कुल। बहुत सारी ऊर्जा, या कम से कम एड्रेनालाईन रश।

उसने लोगों को इसे पीने के लिए क्यों नहीं कहा? कोई भी उस सोने का इस्तेमाल फिर कभी मूर्ति बनाने के लिए नहीं करेगा। आपको अपने जीवन में पाप को कितनी गंभीरता से लेना चाहिए? आप इसे सहलाने की हिम्मत नहीं कर सकते। आप इसके लिए जगह बनाने की हिम्मत नहीं कर सकते।

आप इसे समझाने की हिम्मत नहीं कर सकते। यह पाप है। और फिर आपके पास निश्चित रूप से पूरे धर्मग्रंथ में सबसे मजेदार पंक्ति है।

उन्होंने तुम्हारे साथ क्या किया? मैंने उनसे कहा कि जिसके पास सोना है, उसे निकाल लेने दो। इसलिए, उन्होंने मुझे सोना दे दिया और मैंने उसे आग में फेंक दिया। उसमें से यह बछड़ा निकला।

यह मज़ेदार है, लेकिन दुखद भी है। ज़िम्मेदारी से इनकार। यह मेरी गलती नहीं है।

मैं इसमें कुछ नहीं कर सकता था। या तो इससे सख्ती से निपटें या फिर इसे दूर करें। ये हमारे विकल्प हैं।

पाप की बात करें तो वास्तव में कोई बीच का रास्ता नहीं है। और मूसा ने अभी जो किया है, उसकी तुलना में। हारून को इसे समझाने की कोशिश करते देखना बहुत दिलचस्प है।

अपनी ज़िम्मेदारी से इनकार करने की कोशिश कर रहा है। एरोन शायद थोड़ा डरा हुआ है। तुम सही हो।

उसके हाथ में अभी भी हथौड़ा है। उन्होंने तुम्हारे साथ क्या किया? कुछ नहीं, कुछ नहीं, कुछ नहीं। खैर, यह लगभग जिम्मेदारी से बचने जैसा है।

लेकिन इस बार वे बैल को आगे बढ़ा रहे थे। क्या आप सबने सुना? वे बक को आगे नहीं बढ़ा रहे थे, वे बैल को आगे बढ़ा रहे थे। ठीक है, आगे बढ़ते हैं।

हां. हां. हां.

हाँ, और मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं है। मेरा अस्थायी उत्तर है, इस मामले में, और मैं किसी भी तरह से उसके अनंत भाग्य के लिए जवाब नहीं दे सकता। लेकिन मानवीय रूप से कहें तो, भगवान ने उसका उपयोग करना चुना है।

और इसलिए, वह शाऊल की तरह ही अपनी स्थिति में बना हुआ है। आप जानते हैं, दाऊद कहता है, मैं प्रभु के अभिषिक्त को छूने वाला नहीं हूँ।

इस व्यक्ति पर ईश्वर का अभिषेक है। और इसलिए, एक अर्थ में, ऐसा लगता है कि यह अभिषेक जीवन भर बना रहता है, भले ही व्यक्ति इसका दुरुपयोग करे।

अब, जैसा कि मैंने कहा, मैं शाऊल या हारून की अनंत नियति के बारे में कुछ नहीं कह सकता। लेकिन जहाँ तक मैं बता सकता हूँ, यह मेरे लिए बहुत दिलचस्प है। मैंने विस्तृत अध्ययन नहीं किया है, लेकिन मैंने काफी गहन अध्ययन किया है।

मुझे बाइबल में एक भी जगह नहीं मिली जहाँ हारून के बारे में कभी भी पूरी तरह से प्रशंसात्मक बात कही गई हो। मुझे लगता है कि इसका कारण महायाजक और इस त्रुटिपूर्ण मानव महायाजक के बीच सबसे स्पष्ट अंतर को स्पष्ट करना है। हमारे पास एक महायाजक है जो पाप रहित है।

हमारे पास एक उच्च पुजारी है जो खुद को पवित्र स्थान पर बलि के रूप में ले जाता है। मेरा अनुमान है कि उनके बीच जानबूझकर मतभेद पैदा किया जा रहा है। एक मानव उच्च पुजारी ऐसा ही दिखता है।

और बार-बार, यह सच है, कि पुरोहित वर्ग ही वे लोग हैं जो इस्राएल को मूर्तिपूजा की ओर ले जाते हैं। और फिर, वहाँ प्रचारकों के लिए एक संदेश है। ठीक है, एक और शब्द और मैं तुम्हें जाने दूँगा।

नहीं, दो और शब्द, दो और पैराग्राफ, दो और शब्द। लेवियों के साथ जो बात है, मुझे ऐसा लगता है कि श्लोक 29 से, मूसा ने कहा, आज तुम्हें प्रभु की सेवा के लिए नियुक्त किया गया है, प्रत्येक को अपने बेटे और अपने भाई की कीमत पर। और कितने, 3,000 लोग मारे गए।

मुझे लगता है कि इसका मतलब यह है कि इस धर्मत्याग के मुख्य नेता लेवी थे। और मूसा ने इसे पहचाना और कहा, ठीक है, तुममें से जो भी लेवी उस समूह में नहीं हैं, वे यहाँ आ जाओ। अब, तुम लोग अपने कबीले में कैसर से निपटो।

हो सकता है कि मैं इस बारे में बहुत ज़्यादा पढ़ रहा हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि यहाँ यही हो रहा है। जैसा कि मैंने कहा, ऐतिहासिक रूप से लेवी ही वे लोग थे जिन्होंने लोगों को मूर्तिपूजा की ओर अग्रसर किया। तो फिर, यह उस अत्यधिक गंभीरता के बारे में बात कर रहा है जिसके साथ हमें पाप का इलाज करना है।

आप इसके साथ खेलवाड़ न करें। फिर, अंत में, मूसा कहता है, ठीक है, तुमने एक बहुत बड़ा पाप किया है; यह श्लोक 30 है। अब मैं यहोवा के पास जाऊँगा, शायद मैं तुम्हारे पाप का प्रायश्चित्त कर सकूँ।

यह बात मुझे थोड़ी परेशान करती है। एक मिनट रुको, मूसा, तुमने इन लोगों के लिए मध्यस्थता की, और वे सभी नष्ट नहीं हुए हैं। अब तुम उनके लिए प्रायश्चित्त करने जा रहे हो? तुम उनके पाप को ढकने जा रहे हो? प्रायश्चित्त शब्द के बारे में बहुत सारे तर्क हैं।

इस शब्द का मूल अर्थ है ढकना। यह KPR है। हिब्रू में इन तीन व्यंजनों का मतलब है ढकना।

और जहाज़ के ढक्कन के साथ एक शब्द-खेल चल रहा है। इसे किपोरोट कहा जाता है, जिसका मतलब सिर्फ़ ढक्कन हो सकता है। लेकिन लूथर ने अपने अनुवाद में, अपने जर्मन अनुवाद में, 1500 सालों में हिब्रू का पहला आम भाषा अनुवाद, लूथर ने कहा, एक मिनट रुकिए, इस क्रिया का मतलब है हाँ, ढकना, लेकिन इसका मतलब पाप को छिपाने के अर्थ में ढकना भी है।

इसलिए, उन्होंने कहा, यह वह चीज़ है जो ढकती है। और इसलिए, उन्होंने जर्मन शब्द चुने जिसका अंग्रेजी अनुवाद है दया का आसन - प्रायश्चित्त का आवरण।

तो, मूसा ने कहा, शायद मैं तुम्हारे पाप को ढक सकता हूँ। ओह, सच में? तो, मूसा यहोवा के पास लौटा और कहा, अफ़सोस, इन लोगों ने बहुत बड़ा पाप किया है। उन्होंने अपने लिए सोने के देवता बनाए हैं, मानो परमेश्वर को पहले से ही यह पता न हो।

यह दिलचस्प है कि हम कितनी बार प्रार्थना करते समय परमेश्वर को ऐसी जानकारी देते हैं जिसकी उसे ज़रूरत नहीं होती। अब मैं बहन जोन के लिए प्रार्थना करना चाहता हूँ। वह लेक्सिंगटन में सेंट जो अस्पताल के कमरा 367 में है।

और परमेश्वर कहता है कि मुझे इस बात का एहसास था। तुम्हारे लोगों ने बहुत बड़ा पाप किया है। उन्होंने अपने लिए सोने के देवता बना लिए हैं।

अब, अगर आप चाहें तो उनके पाप को क्षमा कर दें। लेकिन अगर नहीं, तो मुझे अपनी लिखी किताब से हटा दें। अब, यह एक ऐसी जगह है जहाँ डॉ. किनलॉ और मैं असहमत हैं।

आप समझ सकते हैं कि कौन सा शायद सही है। वैसे भी, वह यहाँ मध्यस्थ के रूप में मूसा के बारे में बात करता है। मैं इसे उस तरह से नहीं पढ़ता।

मैंने पढ़ा कि मूसा ने भगवान की बांह मरोड़ने की कोशिश की। अब, भगवान, अगर आप उन्हें मिटाने जा रहे हैं, तो आपको मुझे भी मिटाना होगा। और भगवान कहते हैं, मूसा, इससे दूर हो जाओ।

जिसने भी मेरे विरुद्ध पाप किया है, मैं उसका नाम पुस्तक से मिटा दूँगा। अब जाओ, लोगों को उस स्थान पर ले चलो जिसके विषय में मैंने तुमसे कहा है। देखो, मेरा दूत तुम्हारे आगे-आगे चलेगा।

हम अगले अध्याय में इसके बारे में और अधिक सुनेंगे। मुझे लगता है कि इसका मतलब यह है कि कोई भी इंसान, चाहे वह कितना भी महान क्यों न हो, कितना भी अच्छा क्यों न हो, किसी और के लिए प्रायश्चित नहीं कर सकता। अगर हमारे पापों का प्रायश्चित होना है, तो इसके लिए मूसा से ज़्यादा की ज़रूरत होगी।

और भगवान का शुक्र है कि वह आ गया है। यहाँ, हमारे पास मूसा से भी बड़ा और हारून से भी बड़ा एक व्यक्ति है, और वह यीशु मसीह है। मैं सोच रहा था कि क्या आपने इसे लूका 19, 40 जैसा देखा है।

यह वैसा ही है जैसे पीड़ा में होना क्योंकि उसने अपने लोगों को देखा। और मुझे आश्चर्य है कि क्या इसमें कोई अंतर है। और पॉल ने भी कहा, क्या पॉल ने ऐसा कुछ नहीं कहा? ओह, हाँ।

हाँ, रोमियों में पॉल कहता है कि अगर यह मेरे भाइयों को बचाएगा, तो मैं मिटाए जाने के लिए तैयार हूँ। लेकिन ध्यान दें कि मूसा ऐसा नहीं कह रहा है। वह यह नहीं कह रहा है कि मुझे मिटा दो ताकि वे बच सकें।

वह यह कह रहा है कि अगर आप उन्हें मिटाना चाहते हैं, तो आपको मुझे भी मिटाना होगा। यह बहुत अलग बात है। वह यह नहीं कह रहा है कि उनकी जगह मेरी जान ले लो।

वह कह रहा है कि अगर तुम चाहो तो उनके पापों को क्षमा कर दो। लेकिन अगर नहीं, तो कृपया मुझे अपनी लिखी हुई किताब से मिटा दो। अगर तुम उनके पापों को क्षमा नहीं करोगे और उन्हें मिटा नहीं पाओगे, तो तुम्हें मुझे भी मिटाना होगा।

और परमेश्वर कहता है कि मैं उन लोगों को मिटा दूंगा जिन्होंने पाप किया है, मूसा, तुम्हें नहीं। इसलिए, मैं पूरी तरह आश्चर्य हूँ कि यह मूसा द्वारा अपने लोगों के स्थान पर खुद को पेश करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह कहने के बारे में है कि, परमेश्वर, यदि आप लोगों को ले जाने जा रहे हैं, तो आपको मुझे भी उनके साथ ले जाना होगा। परमेश्वर की बाँह मरोड़ने की कोशिश करना।

और परमेश्वर कहता है कि मैं हाथ मरोड़ने के लिए तैयार नहीं हूँ। हाँ, वह ऐसा करता है, इस अर्थ में कि वह उन सभी को नष्ट नहीं करता। अब, आप अंतिम आयत पर ध्यान दें: लोगों पर विपत्ति इसलिए आई क्योंकि उन्होंने बछड़ा बनाया था, जिसे हारून ने बनाया था।

अब, मैं यहाँ भगवान की प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश कर रहा हूँ। मुझे संदेह है कि प्लेग हर्पीज या सिफलिस या गोनोरिया है। वे मौके पर ही मर नहीं गए।

हो सकता है कि उन्होंने ऐसा किया हो। लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत दिलचस्प है कि यह बछड़े से जुड़ा हुआ है। और मुझे कहना है, नहीं, मैं यह नहीं मानता कि भगवान ने एड्स को समलैंगिकों को दंडित करने के लिए बनाया है।

मैं ऐसा नहीं मानता। न ही मैं यह मानता हूँ कि उसने हर्पीज को अनैतिक लोगों को सज़ा देने के लिए बनाया था। हालाँकि, मैं यह मानता हूँ कि उसने दुनिया को इसलिए बनाया है ताकि जब हम अपने हिसाब से जीएँ, तो हमें कुछ खास बीमारियाँ न हों।

इन दोनों में अंतर है। एक दुष्ट ईश्वर जो लोगों को सज़ा देने की कोशिश कर रहा है और एक ईश्वर जिसने दुनिया को इस तरह बनाया है कि अगर आप उस तरह से नहीं जीते जिस तरह से आपको जीने के लिए बनाया गया है, तो आपको चोट लगेगी। उसी तरह, मेरे पुराने उदाहरण में, क्या ईश्वर ने ऊंची इमारतों से कूदने वाले लोगों को सज़ा देने के लिए गुरुत्वाकर्षण बनाया था? नहीं।

लेकिन अगर आप ऊंची इमारतों से कूदते हैं, तो आपके साथ बुरा होगा। इसलिए, अगर आप ऐसे तरीके से जीते हैं जो उसके डिजाइन से अलग है, तो आपको चोट लगने वाली है। हाँ, हाँ, हाँ, सही मायने में।

आह, ठीक है, काश मुझे इसका उत्तर पता होता। लेकिन यह पूरी बाइबल में स्पष्ट रूप से लिखा है कि हिब्रू लोगों और उनके अनुयायी ईसाइयों को लगा कि परमेश्वर उन लोगों का रिकॉर्ड रख रहा है जो उसकी वाचा का पालन कर रहे हैं और जो वाचा का पालन नहीं कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह इस तथ्य से जुड़ा है कि वाचा को लिखा जाना चाहिए था।

तो, फिर यहाँ उन लोगों की पुस्तक है जो वाचा का पालन कर रहे हैं और इस प्रकार आशीर्वाद के पात्र हैं, और वे लोग जो वाचा का पालन नहीं कर रहे हैं और इस प्रकार अभिशाप की ओर अग्रसर हैं। अब, अंततः, यह मेम्ने की जीवन की पुस्तक बन जाती है, और इसी तरह आगे भी। मुझे नहीं लगता कि यहाँ यह सोचना ज़रूरी है।

लेकिन मैं मानता हूँ कि यह अवधारणा है कि हाँ, स्वर्ग में भगवान के पास एक किताब है। यह सही है। यह सही है।

यानी, असल में, जब हिब्रू लोगों ने वाचा स्वीकार की, तो उनके नाम पुस्तक में लिखे गए। ये वे लोग हैं जो आशीर्वाद के पात्र हैं। उफ़।

उफ़। तो, मूसा कह रहा है, क्या तुम उनके सभी नाम मिटाने जा रहे हो? अगर तुम ऐसा करोगे, तो तुम्हें मेरा भी नाम मिटाना होगा। और परमेश्वर कहता है, अरे, जो लोग पाप करते हैं, उनके नाम मिटा दिए जाएँगे।

लेकिन फिर वह आगे बढ़ता है और उन्हें माफ़ कर देता है। जीवितों की पुस्तक का संदर्भ भजन 69 है। शायद यही बात है, और वे इसे जीवितों की पुस्तक कहते हैं।

और पुराने नियम की आखिरी किताब, मलाकी, उन लोगों के बारे में बताती है जो प्रभु का भय मानते थे और एक दूसरे से बात करते थे। और परमेश्वर ने उनके नाम स्मरण की पुस्तक में लिखवाए। लोग मुझसे पूछते हैं, आपको बाइबल की कौन सी आयत सबसे ज़्यादा पसंद है? और मैं कहता हूँ, आमतौर पर, यह आखिरी आयत होती है जिसे मैं पढ़ता हूँ, लेकिन यह आयत उसके करीब आती है।

मुझे यह विचार बहुत पसंद है कि, वाह, हम निराशा और निराशा की दुनिया में हैं जहाँ लोग कह रहे हैं, अरे, देखो। देखो। बदमाश बनना फ़ायदेमंद है।

माफ़िया अपने बिस्तर पर मर जाते हैं। अच्छे लोग उन सभी भयानक चीजों को देखते हैं जो उनके साथ हुई हैं। फिर, जो लोग भगवान से डरते थे, वे एक दूसरे से बात करते थे।

जब मैं निराशा में डूब रहा होता हूँ, तो मैं चाहता हूँ कि तुम अपना हाथ मेरे कंधे पर रखो और कहो, अरे, भगवान अभी भी सिंहासन पर हैं। चलो, साथ चलते हैं। और भगवान कहते हैं, गेब्रियल, क्या तुमने सुना? तुमने सुना? उसका नाम किताब में लिखो।

यह उन लोगों के लिए स्मरण की पुस्तक है जो प्रभु से डरते हैं। यह मेरे लिए एक प्यारा विचार है। यह मलाकी अध्याय 3--3:16 में है। ठीक है।

बाइबल में 316 की बहुत सारी अच्छी आयतें हैं, है न? 1 यूहन्ना 316 भी एक अच्छी आयत है। यह मलाकी की किताब है। और जैसा कि आप शायद जानते होंगे, मैंने इस पर एक किताब लिखी है, और इसलिए मुझे मलाकी की किताब बहुत पसंद है।

लेकिन इसकी शुरुआत श्लोक 13 में हुई। यहोवा कहता है, तुम्हारे शब्द मेरे विरुद्ध कठोर हैं। और तुम कहते हो, हमने तुम्हारे विरुद्ध क्या कहा है? तुमने कहा है कि परमेश्वर की सेवा करना व्यर्थ है।

सेनाओं के यहोवा के सामने शोक मनाने या उसकी आज्ञाओं का पालन करने से हमें क्या लाभ है? अब, हम अभिमानी को धन्य कहते हैं। दुष्ट लोग न केवल समृद्ध होते हैं, बल्कि वे परमेश्वर की परीक्षा लेते हैं और बच निकलते हैं। तब जो लोग यहोवा का भय मानते थे, वे आपस में बातें करने लगे।

प्रभु ने उन पर ध्यान दिया और उनकी बात सुनी। और जो लोग प्रभु का भय मानते और उसके नाम का स्मरण करते थे, उनके स्मरण के लिये उसके साम्हने एक पुस्तक लिखी गई। ठीक है।

खैर, मैंने कुछ मिनट कहा था। 25 मिनट हो गए हैं। आपके धैर्य के लिए धन्यवाद।

हाँ? क्या आपके पास अगले हफ़्ते के लिए चादरें हैं? हाँ, वे वहीं हैं। ठीक है। अगले हफ़्ते के लिए नहीं, बल्कि दो हफ़्ते के लिए।

हां। अगर आप किसी भी लापता श्रद्धालु को देखते हैं, तो उन्हें ज़रूर बताएं।

यह डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं जो निर्गमन की पुस्तक पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह सत्र 14, निर्गमन 32 है।